

SHEPHERDESS : (1) मेषपाली ; (2) मेषपालिका and sim. comp.s.
SHERBET : शर्करोदकम्, Bha.
SHERD : v. Shard.
SHERIFF : an officer : *नियामकः.
SHERRY : मद्यविशेषः.
SHAW (v.) : दर्शयति (c. of दृश्) : v. To show.
SHIELD (subs.) : I. For defending : (1) फलक (mn.), with a s. glittering in the left hand : वामकरतलस्फुरत्फलकः, C. iii. ; (2) चर्मन् (n.), carrying sword and s. : खड्गचर्मधरः ; without sword and s. : व्यसिचर्म-, Mah. vii. 48. 34. 39. ; (3) खेटकः (rare), bearing sword and s. : खड्गखेटकधारिन् (f. णी), Mah. iv. 6. 4. II. Fig., defence, refuge : q.v. : शरणम्. III. In heraldry : *खेटकः.
SHIELD (v.) : रक्षति (रक्ष्, c. 1.) : v. To protect, save.
SHIELDLESS : विफलक (f. का) and sim. comp.s. : v. Shield.
SHIFT (v.i.) : I. To change, move : q.v. : व्यावर्तते (वृत्, c. 1.). II. To resort : आश्रयति (श्रि, c. 1. : with acc.).
SHIFT (v.t.) : I. To change : q.v. : परिवर्तयति (c. of वृत्). II. To move about : व्यावर्तयति : v. Also to move.
SHIFT (subs.) : I. Expedient, means : q.v. : उपायः. II. Artifice, trick : q.v. : छलम्. III. An undergarment : युतकम्.
SHIFTY : छलप्रिय (f. या), and sim. comp.s. : v. Deceitful.
SHILLING : रौप्यमुद्राविशेषः ; अर्धटङ्का (?).
SHIN : perh. अग्रजङ्घा : v. Leg.
SHINE (v.) : I. In gen. : (1) प्रकाशते, वि-, (काश्, c. 1.), s.ing above (other) animals : प्रकाशमानं परिभूय देहिनिः, Ki. xiv. 41. ; (2) भाति-, आ-, वि-, प्र-, सं-, (मा, c. 2.), as the sun s.s in a clear morning in early autumn : अमायत यथार्केण सुप्रातेन शरन्मुखे, B. viii. 2. ; (3) द्योतते, वि-, प्र-, अमि, (द्युत् c. 1.=to glitter), shone like the ocean in fire : विदिद्युते शिखामिराशिष्ट इवाम्भसां निधिः, Si. i. 20. ; (4) दीप्यते, वि-, उत्-, (दीप्, c. 4.=to gleam), s.s in heaven as if shaming the

sun : दीप्यते नाकपृष्ठस्या भर्त्स्ययन्तीव भास्करम्, Mah. ii. 11. 16. ; (5) भासते, वि-, अव-, उत्-, (भास्, c. 1.), Arundhati shone much : बभासे बह्वरन्धती, Ku. vi. 11. ; (6) रोचते, वि-, (रूच्, c. 1. : rare), (studded) with s.ing gems : रोचिष्णुरत्नावलिमिविरेजे, Ki. xviii. 18. ; (7) विकसति (कस्, c. 1.), the rays shone on all sides : व्यकसदंशुचयः ककुन्मुखेषु, Si. xx. 38. ; (8) राजति, -ते, वि-, सं-, अमि-, (राज्, c. 1.), the son of Raghu alone shone with dignity : रराज धाम्ना रघुसूनुरेव, R. vi. 6. ; (9) स्फुरति, वि-, अमि-, (स्फुर्, c. 6.=to glitter) ; (10) प्राजते, वि-, (प्राज्, c. 1.) ; (11) काश(स)ते, वि-, (काश् or कास्, c. 1.) ; (12) चकास्ति (चकास्, c. 2.). II. To be eminent : (1) राजति, -ते, वि-, सं- ; (2) विकसति ; (3) काश(स)ते, वि- ; (4) चकास्ति.
SHINE (subs.) : (1) प्रभा ; (2) प्रकाशः ; (3) द्युतिः.
SHINGLE : I. Gravel : q.v. : शर्करा. II. A plank : फलकम्.
SHINY : (1) सप्रकाश (f. शा) and sim. comp.s. ; (2) उज्ज्वल (f. ला) : v. Bright.
SHIP (subs.) : (1) पोतः, struck by a succession of billows, the s. sank in the waters of the sea : कलोलमालामिहतः पोतः समुद्राम्भस्यमज्जत्, D. ; (2) यानम्, -पात्रम् (=vessel), s.-wreck ; यानभङ्गः, Ra. i. ; embarking on the s. : यानपात्रं समारुह्य, K. s. 18. 293. ; (3) प्र-वहनम् (=यात्रम्), and the s. went up and down every moment : ययौ च तत् प्रवहणं क्षणमूर्ध्वमधः क्षणम्, K. s. 25. 44. ; the s. wecked : तद्रहनं सममज्जत्, 45. ; (4) वहित्रम् (=3 : rare), early in the morning, a s. was to be seen : प्रत्यूषस्यदृश्यत किमपि वहित्रम्, D. vi. ; (5) तरी (= boat), Si. iii. 76. ; समुद्रवाहिनी नौः, -का, M.n. and sim. comp.s (best equiv.).
SHIP (v.t.) : I. To embark : q.v. : पोते आरोपयति (c. of रूह्) : v. To put. II. To fix : स्थापयति (c. of स्था). Ph. : (a) s. off : पोतेन विवासयति (=banish) or प्रस्थापयति (=send away) ; (b) s. a sea, prob. तरङ्गैर् अमिभूयते or तरङ्गान् खादति.
SHIP-MASTER : पोताध्यक्षः and sim. comp.s.
SHIP-OWNER : प्रवहणस्वामिन् (f. नी) and sim. comp.s.